बदलापुर कांड के आरोपी का एनकाउंटर

- पुलिस रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग की
- जवाबी कार्रवाई में लगी गोली
- घटना सोमवार शाम साढ़े 5 बजे
- पहले खुद को शूट करने की थी जानकारी

ठाणे. बदलापुर रेप मामले के आरोपी के बारे में एक सनसनीखेज समाचार सामने आ रहा है. पुलिस के मुताबिक छोटी बच्चियों से रेप के आरोपी अक्षय शिंदे ने पुलिस वाले की बंदूक छीन कर उसे 3 गोलियां मारी हैं. इसके बाद दूसरे पुलिस वाले ने भी फिर अक्षय शिंदे को भी गोली मारी है.

पुलिस ने बताया कि बदलापुर रेप के आरोपी अक्षय शिंदे को ठाणे पुलिस जब जेल से लेकर बदलापुर जा रही थी तो अक्षय शिंदे ने जीप में पुलिस की रिवाल्वर निकालकर पुलिस वालों पर तीन राउंड फायरिंग किया. इस दौरान दूसरे पुलिस वालों ने अपने रिवाल्वर निकाल पर अक्षय शिंदे पर भी फायरिंग की है. इस मामले में पुलिस वाले और आरोपी अक्षय शिंदे को गोली लगी है. दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जहां अक्षय शिंदे की मौत हो गई.

एक अधिकारी ने बताया कि स्कूल में सफाईकर्मी के तौर पर काम करने वाले अक्षय शिंदे को तलोजा जेल से जांच के लिए बदलापुर ले जाया जा रहा था. उन्होंने बताया कि जब पुलिस की गाड़ी मुंब्रा बाईपास पर पहुंची, तो शिंदे ने एक पुलिसकर्मी की बंदूक छीन ली और एक सहायक पुलिस निरीक्षक (एएसआई) नीलेश मोरे पर गोली चला दी.

उनके साथ मौजूद एक अन्य अधिकारी, पुलिस इंस्पेक्टर संजय शिंदे ने आत्मरक्षा में गोली चलाई. उन्होंने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से अक्षय शिंदे पर 2 गोलियां चलाईं. उनमें से एक अक्षय शिंदे के सिर पर और दूसरी उसके शरीर पर जाकर लगी. इसके बाद दोनों घायलों को पुलिस ने शिवाजी अस्पताल पहुंचाया. लेकिन इसी दौरान अक्षय शिंदे की मौत हो गई. ठाणे पुलिसि ने अक्षय के मौत की पुष्टिकर दी है. जब अक्षय ने गोलियां चलाईं, तो पुलिस टीम के चार सदस्य, जिनमें दो अधिकारी और दो अन्य लोग कार में सवार थे.

हाल ही में कबूला था जुर्म

उसने हाल ही में पुलिस के सामने कबूल किया था कि उसने दो स्कूली लड़कियों का यौन उत्पीड़न किया था। इस मामले में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच के दौरान शिंदे ने कैमरे के सामने अपना बयान दर्ज कराया और यह वीडियो अदालत में पेश किया गया. बदलापुर के एक स्कूल में दो नाबालिगों से दुष्कर्म के मामले में एसआईटी ने कोर्ट में दो अलग-अलग आरोप पत्र दाखिल किये थे. उसने दोनों छात्रों के साथ दुर्व्यवहार करने की बात कबूल की। डॉक्टरों और पुलिस के सामने इस कबूलनामे को फिल्माया भी गया. यौन शोषण की घटना 12 और 13 अगस्त की है। आदर्श स्कूल में 23 साल के स्वीपर अक्षय शिंदे ने दोनों बच्चियों का यौन शोषण किया।

पुलिस ने आत्मरक्षा में चलाई गोली

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा 'बदलापुर मामले के आरोपी अक्षय शिंदे की पत्नी ने लैंगिक अत्याचार का मामला दर्ज किया था इसलिए उसे जांच के लिए ले जा रहे थे। इसी बीच उसने पुलिसकर्मी नीलेश मोरे पर गोली चलाई, जिसमें नीलेश मोरे जख्मी हुए हैं। पुलिस ने भी बचाव में गोली चलाई है। यह प्राथमिक जानकारी मुझे मिली है। बाकी की जानकारी पुलिस जांच में सामने आएगी।

-एकनाथ शिंदे, मुख्यमंत्री

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 42 | अंक : 170 | मंगलवार, 24 सितंबर 2024 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now | /ulhasvikas | संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) | Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ विस चुनाव में होगा घमासान

शहर में चर्चा जोरों पर

महाविकास आघाड़ी और महायुति से कौन होगा उम्मीदवार?

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ विधानसभा 141 में इस बार चुनाव में महाविकास आघाड़ी और महायुति के बीच जोरदार मुकाबले की संभावना है. महाविकास आघाड़ी से शिवसेना उबाठा, कांग्रेस और राकांपा (शरद पवार) तीनों दलों के इच्छुक उम्मीदवार कमर कस के तैयार हैं, तो महायुति की ओर से भाजपा, राकांपा (अ.प.) और शिवेसना शिंदे गट से एक ही उम्मीदवार का नाम सबसे आगे है और वह है विधायक के लिए हैटट्रिक करने वाले विधायक डॉ. बालाजी किणीकर. अंबरनाथ विधानसभा एससी आरक्षित सीट है, जिसमें अंबरनाथ पूर्व, पश्चिम के 57 वार्ड और उल्हासनगर-4 और 5 के 12 वार्ड हैं. इस विधानसभा में कुल 3 लाख 65 हजार से ज्यादा वोटर हैं. जिसमें हिंदू, मुस्लिम, दलित, सिंधी मतदाता हैं. महाविकास आघाड़ी से उम्मीदवारी किस पक्ष को मिलेगी, बताया नहीं जा सकता. शिवसेना उबाठा के राजेश वानखेड़े का नाम सबसे आगे है. राकांपा शरद पवार से महेश तपासे भी उम्मीदवारी के लिए भागदौड़ कर रहे हैं. कांग्रेस से रोहित सालवे, अनिता जाधव उम्मीदवारी मिलने के लिए प्रयासरत हैं.

महायुति से फिर एक बार हैटट्रिक करने के बाद चौथी बार विधायक किणीकर का नाम आगे हैं. शिवसेना शिंदे गट अंबरनाथ में किणीकर और वालेकर में हो रही आपसी खटास क्या रंग लाएगी, बताया नहीं जा सकता. वालेकर समर्थकों में एड. संदीप भराडे और स्वप्निल जाबीर ने भी पक्ष से उम्मीदवारी मांगी है. वंचित बहुजन आघाड़ी से सारंग थोरात उम्मीदवारी के इच्छुक हैं.

डॉ. बालाजी किणीकर

रोहित सालवे

मुस्लिम समुदाय में नाराजगी

मुस्लिम वोटरों का झुकाव महाविकास आघाड़ी की तरफ दिखाई दे रहा है क्योंकि भाजपा के विधायक नितेश राणे मुसलमानों के खिलाफ जगह उगल रहे हैं, जिससे पूरे महाराष्ट्र में मुस्लिम समुदाय नाराज दिखाई दे रहा है.

विस चुनाव में अपेक्षा अनुरूप कम वोट मिले

विदित हो कि इसका असर लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिला. इस चुनाव में अंबरनाथ से श्रीकांत शिंदे को 93 हजार 670 वोट मिले थे, तो वैशाली दरेकर (महाविकास आघाड़ी) को 58 हजार 28 वोट मिले थे. श्रीकांत शिंदे को अपेक्षा के अनुरूप कम वोट मिले. 2019 के विधानसभा चुनाव में डॉ. बालाजी किणीकर (शिवसेना) को 60083, तो कांग्रेस के रोहित सालवे को 30789 और वंचित बहुजन आघाड़ी के धनंजय सुर्वे को 16274, मनसे के सुमेध पवार को 13635 वोट मिले थे.

इस बार महाविकास आघाड़ी से कौन से पक्ष की झोली में यह सीट जाती है, उस पर सबकी नजर है. महाविकास आघाड़ी और महायुति में मुकाबला सख्त होगा, ऐसा कहा जा रहा है. लेकिन डॉ. बालाजी किणीकर ने जो विकास कार्य किए हैं और लोगों से मेल-जोल बढ़ाए हुए हैं. इस लिहाज से उनका पलड़ा भारी दिखाई दे रहा है. अगर किणीकर को चौथी बार उम्मीदवारी दी गई तो क्या शिवसेना शिंदे गट में बगावत होगी? ऐसी चर्चा भी शहर में है. चुनाव आयोग द्वारा आज 24 सितंबर को चुनाव की तारीखों की घोषणा की जा सकती है. जिस पर सबकी नजरें लगी हुई हैं.

उल्हासनगर-5 रहेगा निर्णायक भूमिका में

अंबरनाथ विधानसभा क्षेत्र में उल्हासनगर मनपा के करीब 20 वार्डों का समावेश है। इस क्षेत्र को संतों की नगरी भी कहा जाता है यहां बड़े पैमाने पर जीन्स व गाऊन के कारखाने हैं। यहां सिंधी समाज बड़ी संख्या में मतदान करता है जो आगामी विधानसभा चुनाव में निर्णायक साबित हो सकता है। इस क्षेत्र में खस्ता रोड, बिजली व पानी समस्या अहम मुद्दा बनकर सामने आएगा। यहां पर भाजपा का दबदबा कम है लेकिन शिवसेना, राकांपा व कांग्रेस इस क्षेत्र से अपने उम्मीदवार उतारेगी। ऐतिहासिक शिव मंदिर इस क्षेत्र को जोड़े रहने का कार्य करता है। उल्हासनगर-5 से भी हजारों परिवार खासकर सिंधी समाज पालेगांव शिफ्ट हुए हैं। ऐसे में उल्हासनगर-5 परिसर अंबरनाथ विधानसभा क्षेत्र के लिए निर्णायक भूमिका में रहेगा।

सरकारी विकलांग बाल गृह से 2 दिव्यांग और बधिर बच्चे लापता

उल्हासनगर. कैंप नंबर-5 स्थित सरकारी विकलांग बाल गृह से मूक-बधिर और कम सुनने वाले दो बच्चों के अपहरण का मामला हिललाइन पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल जगताप ने बताया कि पुलिस लापता बच्चों की तलाश कर रही है। कैंप नंबर-5, गांधी रोड में एक विकलांग सरकारी बाल गृह है और बाल गृह में कुल 9 बच्चे हैं जो शारीरिक रूप से विकलांग, मूक-बधिर और कम सुनने वाले हैं। वे बच्चे मानसिक रूप से विकलांग स्कूल और बधिरों और कम सुनने वाले स्कूल में पढ़ते हैं। इनमें 14 और 17 साल के दो विकलांग, कम सुनने वाले और शारीरिक रूप से अक्षम बच्चे गुरुवार से गायब हैं। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल जगताप ने बताया कि एक सरकारी बाल गृह की शिकायत के आधार पर हिललाइन पुलिस स्टेशन में दो विकलांग, मूक-बधिर बच्चों के अपहरण का मामला दर्ज किया गया था.

बेटी की हत्या कर मां ने की आत्महत्या

- कल्याण-शील रोड पर रुनवाल सिटी की घटना
- पति की शिकायत पर मामला दर्ज

कल्याण. एक मां ने भी अपनी ढाई साल की बेटी का गला घोंट हत्या करने के बाद खुद की भी जान ले ली है। यह दिल दहला देने वाली घटना डोबिवली के सनवाल सिटी में हुई और दर्दनाक हादसे से परिसर में सनसनी फैल गई है। ढाई वर्षीय बच्ची का नाम समृद्धि सकपाल और मृत महिला का नाम पूजा सकपाल (उम्र 29) है। इस घटना का खुलासा पूजा के पति राहुल के घर आने पर हुआ. इस संबंध में मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है. पूजा ने यह कदम क्यों उठाया, पुलिस इसकी जांच कर रही है। यह घटना रविवार को कल्याण शील रोड पर रुनवाल सिटी नामक एक बड़े आवासीय परिसर में हुई। राहुल सकपाल अपनी पत्नी पूजा और ढाई साल की बेटी समृद्धि के साथ रहते हैं। रविवार रात 8 बजे के बीच राहुल के घर आने पर घटना का पता चला, तुरंत इसकी सूचना मानपाड़ा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय कदवाने ने बताया कि इस संबंध में मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। समृद्धि की हत्या गला दबाकर की गई थी और उसका मुंह तकिये से ढक दिया गया था. इसके बाद पूजा ने घर के पंखे से साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पूजा ने ऐसा क्यों किया? यह अभी तक स्पष्ट नहीं है. पुलिस इसकी जांच कर रही है.

लोकल में मिला 20 लाख नकद से भरा बैग

- आसनगांव से मुंबई जा रही लोकल
- पुलिस बैग के मालिक की तलाश में जुटी
- कल्याण लोहमार्ग ने जब्त की बैग

कल्याण. आसनगांव रेलवे स्टेशन से मुंबई जाने वाली लोकल के बीच वाले जनरल कोच में एक लावारिस बैग मिला। जैसे ही ट्रेन कल्याण रेलवे स्टेशन पर पहुंची, कल्याण रेलवे पुलिस ने बैग जब्त कर ली और उसकी जांच की तो बैग में 20 लाख की नकदी मिली। रेलवे पुलिस इस बैग के असली मालिक की तलाश कर रही है. रविवार की रात करीब 9.57 बजे एक यात्री को आसनगांव रेलवे स्टेशन पर अप दिशा में सीएसएमटी लोकल के मध्य जनरल डिब्बे में एक लावारिस बैग मिला। यात्री ने जब कल्याण रेलवे पुलिस को इसकी जानकारी दी तो पुलिस ने ट्रेन की जांच की और बैग जब्त कर लिया. संशेय के आधार पर जब बैग की जांच की गई तो उसमें दवाइयों का डिब्बा और 20 लाख रुपए की नकदी मिली। कल्याण लोहमार्ग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पंधारी कांडे के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक खेतमाली आगे की जांच कर रहे हैं. पुलिस जांच कर रही है कि यह बैग किसका है। लोकल ट्रेन में इतनी बड़ी रक्कम कोई कहां ले जा सकता है और ले जाते हुए भूल कैसे सकता है।

नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

नवी मुंबई। नवी मुंबई में 17 वर्षीय लड़की से दुष्कर्म के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

कलंबोली पुलिस थाने के सहायक पुलिस निरीक्षक विजय कांबले ने बताया कि 30 वर्षीय व्यक्ति पीड़िता को 19 सितंबर को करंजाडे इलाके में एक अन्य आरोपी (29) के घर लेकर गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

उल्हासनगर के अन्ना हजारे हरदास ठारवानी नहीं रहे

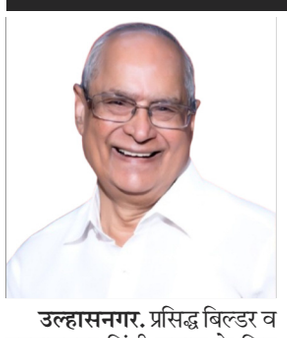

उल्हासनगर. प्रसिद्ध बिल्डर व उल्हासनगर सिंधी समाज के लिए समाज सुधार का कार्य करने वाले जिन्हें उल्हासनगर का अन्ना हजारे भी कहा जाता है दादा हरदास ठारवानी का रविवार 22 सितंबर को दुःखद निधन हो गया। है। उनकी अंतिम यात्रा सोमवार 23 सितंबर सुबह 11 बजे उनके ठाणे निवास्थान से निकाली गई और कोपरी श्मशान भूमि में उनका अंतिम संस्कार हुआ। जहां दादा के तीनों पुत्र अनिल, सुनील, मोहन ठारवानी सहित परिवार के सदस्य व मित्रगण बड़ी संख्या में शामिल हुए। पगड़ी रस्म बुधवार 25 सितंबर शाम 5 से 5.30 बजे तक सचखंड गुरुद्वारा, उल्हासनगर-1 में रखी गई है। शहर के लोगों ने दादा के सेवा कार्यों को याद करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है।

ज्ञात हो कि दादा हरदास ठारवानी जिन्होंने हमेशा से ही सिंधी समाज और उल्हासनगर शहर हित में लगातार अपनी आवाज बुलंद की। जिस कारण उन्हें समाज सुधारक व अन्ना हजारे जैसे उपनामों से भी जाना जाता था। वो अपनी बेबाकी बातों से हमेशा से ही चर्चाओं में रहते थे। दादा हरदास ठारवानी ने 90 के दशक में भवन निर्माण क्षेत्र में अपनी किस्मत आजमायी और ईमानदारी, निष्ठा के बल पर वे उल्हासनगर ही नहीं बल्कि महाराष्ट्र के चुनिंदा भवन निर्माताओं के रूप में प्रसिद्ध हुए। ठारवानी बिल्डर्स आज आसमान की बुलंदियों पर चमकने वाला एक सितारा बन चुका है। दादा हरदास ठारवानी की भवन निर्माण की विरासत को उनके तीनों सुपुत्र अनिल ठारवानी, सुनील ठाकरवानी व मोहन ठारवानी काफी अच्छी तरह संभाल रहे हैं। उल्हासनगर, कल्याण, अंबरनाथ, बदलापुर सहित महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों में उनके भवन निर्माण के प्रोजेक्ट जोरों-शोरों से जारी है।

सिंधी समाज में विशेषकर समाज की युवतियों की शिक्षा, उनकी शादी के लिए काफी उल्लेखनीय प्रयास करने वाले दादा हरदास ठारवानी को शहरवासियों ने भी काफी प्यार और स्नेह दिया. दादा ठारवानी का मूल मंत्र भी यही था कि समाज और शहर के प्रति हम क्या कर सकते हैं हमें उस पर भी ध्यान देना चाहिए, ऐसे महान व्यक्तित्व के धनी दादा हरदास ठारवानी का अचानक स्वर्गवास हो जाने से उन्हें चाहने वालों को गहरा सदमा लगा है. दैनिक 'उल्हास विकास' दादा हरदास ठारवानी की आत्मशांति की प्रार्थना करते हुए परमात्मा से उनके परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति देने की कामना करता है।

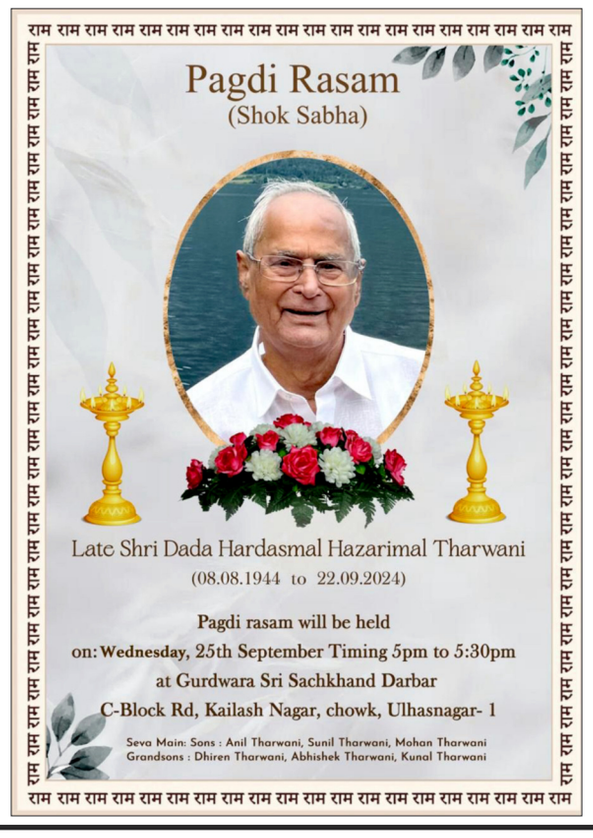

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास संपादकीय

आस्था को लेकर छिड़ी सियासत

राजनीतिक लाभ के लिए आस्था को भुनाने का चलन नया नहीं है। मगर तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के प्रसाद में पशु चर्बी युक्त मिलावटी घी के उपयोग का मामला मंदिरों की पवित्रता से भी जुड़ा हुआ है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सार्वजनिक मंच से आरोप लगाया कि पिछली सरकार के समय तिरुपति मंदिर में प्रसाद के रूप में बनने वाले लड्डू के लिए सस्ती दर पर मिलावटी घी खरीदा गया। प्रयोगशाला जांच से पता चला है कि उस घी में पशु चर्बी मिली हुई थी। इसे लेकर स्वाभाविक ही विवाद छिड़ गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी का कहना है कि चंद्रबाबू नायडू अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस मामले को भड़का रहे हैं। हालांकि इस पर केंद्र सरकार ने भी गंभीरता दिखाते हुए प्रसाद के नमूने जांच कराने को कहा है। कांग्रेस ने मंदिरों की पवित्रता सुनिश्चित करने की जरूरत रेखांकित की है। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय इस मामले में सुनवाई करने को तैयार हो गया है।

मंदिरों में चढ़ावे आदि को लेकर विवाद और उनके प्रबंधन को चुस्त तथा पारदर्शी बनाने की मांग बहुत पहले से उठती रही है। मगर तिरुपति बालाजी मंदिर की प्रबंध समिति यानी तिरुमला तिरुपति देवस्थानम इस मामले में बहुत व्यवस्थित और पारदर्शी मानी जाती रही है। वहां बनने वाले प्रसाद के मानक तय हैं। घी और अन्य सामग्री की गुणवत्ता और पवित्रता जांचने के लिए आंतरिक प्रयोगशाला है। तीन स्तरों पर इसकी जांच की जाती है। घी आदि की आपूर्ति करने वाले ठेकेदार हर छह महीने बाद बदल दिए जाते हैं। इसके बावजूद अगर वहां के प्रसाद की पवित्रता पर सवाल उठे हैं, तो स्वाभाविक ही इससे लोगों की आस्था पर चोट पहुंची है।

मंदिर और धार्मिक स्थल राजनीतिक हस्तक्षेप से दूर होने चाहिए, पर इस सच्चाई से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि वास्तव में ऐसा है नहीं। इसीलिए तिरुपति बालाजी के लड्डुओं में पशु चर्बी होने के आरोप पर सियासत शुरू हो गई है। मगर अपेक्षा की जाती है कि इस मामले को दूसरे मामलों की तरह सियासी रंग देकर दरकिनार करने के बजाय मंदिर की पवित्रता सुनिश्चित करने के कठोर उपाय होने चाहिए।

नई जनगणना से निर्णायक दस्तावेज तैयार कीजिए

किसी भी देश के विकास के लिए जनगणना बहुत आवश्यक है। हमारे देश में पहली जनगणना सन् 1872 में प्रारंभ हुई थी और वर्ष 1881 में पहली पूर्ण जनगणना की गई। चूंकि किसी भी वर्ग या समुदाय के लिए नीति-निर्धारण में उसकी वास्तविक जनसंख्या की जानकारी बहुत जरूरी होती है, इसीलिए ब्रिटिश सरकार ने भारत में जनगणना प्रारंभ की थी, जो आजादी के बाद भी जारी रही। आजादी के बाद पहली जनगणना सन् 1951 में की गई और तब से प्रत्येक दस वर्ष के अंतराल पर 2011 तक देश में कुल सात बार जनगणना हुई है। मगर इस क्रम में साल 2021 में होने वाली जनगणना अभी तक नहीं हो सकी है, क्योंकि कोविड महामारी के कारण इसे तब स्थगित किया गया था। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 'वन नेशन वन इलेक्शन' पर आई कोविंद समिति की रिपोर्ट को हरी झंडी दिखाए जाने पर अब जनगणना होने की उम्मीद बढ़ चली है, क्योंकि विधानसभाओं व लोकसभा के परिसीमन के लिए यह अत्यंत आवश्यक है।

इस समय जातिगत जनगणना के लिए देश में जोर-शोर से आवाज उठाई जा रही है। ब्रिटिश राज में सन् 1931 में जातिगत जनगणना कराई गई थी, जिसे 'फूट डालो और राज करो' की कार्रवाई माना गया था। मगर जातिगत जनगणना अब एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुका है, क्योंकि इसी के आधार पर निःशुल्क योजनाओं द्वारा वोटों को प्रभावित कर सरकार में आने के रास्ते साफ होते हैं।

बहरहाल, आजादी के बाद हुई सात जनगणनाओं बावजूद हमारे

पास आज भी रियल टाइम आंकड़ों का अभाव है और सरकार का हरेक विभाग अपनी योजनाओं के लिए अलग-अलग सर्वे कराता है, पहचान-पत्र जारी करता है, आंकडे. जुटाता है और उन पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करता है। उदाहरण के लिए, यदि सरकार विधवा महिलाओं के लिए कोई योजना लागू करना चाहे, तो उसे किसी भी आंकडे. से यह जानकारी नहीं मिल सकती कि हमारे देश में वर्तमान में कितनी विधवा महिलाएं हैं? जब वास्तविक आंकड़े ही नहीं होंगे, तो प्रभावी नीतियों का निर्माण कैसे संभव है? इस बार के बजट में जनगणना-कार्य के लिए लगभग 1,310 करोड़ रुपये की धन-राशि निर्धारित की गई है। साल 2009 से 2024 के मध्य आधार कार्ड बनाने पर 4,467 करोड़ रुपये की धन-राशि खर्च हुई है। उसी प्रकार, बीपीएल सर्वे, एनएचएफएस सर्वे, बाल गणना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, खाद्य योजना, किसान सम्मान निधि, मतदाता पहचान-पत्र, राशन कार्ड, परिवार रजिस्टर, परिवार पहचान-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, वारिसान प्रमाण-पत्र जैसी योजनाओं व सुविधाओं के सर्वे और लाभार्थियों की पहचान के लिए केंद्र और राज्य सरकारें हजारों करोड़ रुपये खर्च करती हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति का एक केंद्रीय डेटाबेस तैयार किया गया होता, जिसके आधार पर सभी प्रकार की सरकारी सुविधाओं का लाभ मिल पाता, तो प्रत्येक वर्ष सर्वे व लाभार्थी चिह्नीकरण के नाम पर खर्च होने वाले हजारों करोड़ रुपये की बचत होती।

इस बार की जनगणना कराते समय यदि केंद्र सरकार सभी नागरिकों के आधार नंबर से पुष्टि कराती है और इसको पैन, मतदाता पहचान-पत्र, परिवार पहचान-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र, विवाह-तलाक पंजीकरण आदि से भी जोड़ दिया जाता है, तो हमें भविष्य में किसी भी प्रकार के सर्वे या लाभार्थी चिह्नीकरण के लिए हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं पडेगी। इस तरह, हमारे पास पीढ़ियों तक के हर प्रकार के रियल टाइम आंकड़े उपलब्ध रहेंगे और फर्जी प्रमाण-पत्र बनाकर सुविधाओं के लाभ लेने पर भी रोक लगेगी।

भारत सरकार को इस जनगणना के माध्यम से एक ऐसा नेशनल डेटाबेस तैयार कराना चाहिए, जिसमें सीआरएस पोर्टल के जरिये जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र जारी होने पर संबंधित परिवार की संख्या स्वतः ही घट या बढ़ सके। इस जनगणना के माध्यम से यदि सभी के विवाह एवं तलाक का भी अनिवार्य रूप से पंजीकरण करा लिया जाता है, तो प्रत्येक परिवार से संबंधित हर प्रकार के आंकड़े हमारे पास उपलब्ध रहेंगे। भविष्य में देश के करदाताओं के धन के दुरुपयोग को रोकने और देश की प्रगति को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

आत्मा को पूर्ण तृप्ति तभी मिलती है जब वो वापस परमात्मा में लीन हो जाती है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

हर किसी को अभिव्यक्ति का हक

करीब छह महीने पहले केंद्र सरकार ने जब 'फैक्ट चेक यूनिट' यानी तथ्य जांच इकाई के गठन संबंधी अधिसूचना जारी की थी, तभी से इस पर विवाद है। मगर इसे लेकर उभरी असहमतियां और उठे सवालों के बावजूद सरकार शायद इस ओर धीरे-धीरे कदम बढ़ा रही थी। अब इस मसले पर बंबई हाईकोर्ट के फैसले के बाद सरकार के लिए अपने पक्ष को निर्विवाद बताना मुश्किल होगा। बंबई हाईकोर्ट ने सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन अधिनियम, 2023 को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया और इसे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 का उल्लंघन बताया।

गौरतलब है कि सूचना प्रौद्योगिकी यानी आइटी नियमों में किए गए संशोधनों के जरिए केंद्र सरकार को सोशल मीडिया मंचों पर अपने कामकाज के बारे में 'फर्जी और भ्रामक' सूचनाओं की पहचान करने और उन्हें खारिज करने या झूठा घोषित करने के मकसद से तथ्य जांच इकाई बनाने की इजाजत दी गई थी। इस इकाई को सोशल मीडिया पर केंद्र सरकार और उसकी एजंसियों को लेकर दी गई जानकारियों को चिह्नित करने की शक्ति भी दी गई थी। इसके तहत यह इकाई अगर फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और एक्स जैसे सोशल मीडिया मंचों पर किसी जानकारी को झूठी बताती, तो वे

कंपनियां वह सूचना या टिप्पणी हटाने के लिए कानूनी रूप से बाध्य होतीं या उस पर अपने मंच की ओर से अस्वीकरण जोड़ना होता। प्रथम दृष्टया यह कवायद गलत सूचना या जानकारी को दुरुस्त करने या उस पर लगाम लगाने की कोशिश लगती है, मगर इसका सिरा कहां तक जाएगा, यह तय करना मुश्किल है।

अगर कभी ऐसे नियम लागू होते हैं तो इस बात की क्या गारंटी है कि सरकार की तथ्य जांच इकाई जिन जानकारियों को फर्जी, भ्रामक या झूठी बताएगी और वह किसी तथ्य की मनमानी व्याख्या नहीं होगी और किसी खास टिप्पणी या जानकारी का चुनाव अपनी सुविधा के मुताबिक या सरकार की छवि बचाने के लिए नहीं होगा! अगर किन्हीं स्थितियों में ऐसा होता है, तो क्या इससे किसी व्यक्ति के अभिव्यक्ति के संवैधानिक अधिकार बाधित नहीं होंगे? इन्हीं आशंकाओं के मद्देनजर बंबई हाईकोर्ट ने कहा कि इन नियमों ने संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन किया है।

हालांकि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस वर्ष मार्च में इस इकाई के गठन से संबंधित केंद्र सरकार की अधिसूचना पर इस वजह से रोक लगा दी थी कि इसकी सुनवाई बंबई हाईकोर्ट में चल रही थी। शीर्ष अदालत ने तब कहा था कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मौलिक अधिकार है और इस पर नियम के असर का विश्लेषण बंबई हाईकोर्ट में जरूरी है। अब बंबई हाईकोर्ट ने एक तरह से स्थिति स्पष्ट कर दी है।

सवाल है कि अगर तथ्यों की जांच के नाम पर किसी अन्य पक्ष की ओर से किए गए विश्लेषण या दी गई जानकारी को खुद किसी सरकारी एजंसी की ओर से बाधित किया जाएगा, किसी की टिप्पणी को हटाया जाएगा, सोशल मीडिया पर उसका खाता बंद करा दिया जाएगा, तो ऐसी स्थिति में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की क्या जगह रह जाएगी? फिर, किसी जानकारी को भ्रामक या फर्जी बताने की व्यवस्था में क्या सिर्फ सरकार के खिलाफ की गई टिप्पणियों की ही जांच की जाएगी या इसका दायरा विस्तृत होगा? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि भारत की लोकतांत्रिक परंपरा में विचारों में भिन्नता और असहमतियों के लिए मजबूत जगह रही है और इसी से देश का लोकतंत्र मजबूत हुआ है।

अनोखी है बंदर और पुलिस अफसर की दोस्ती

पुलिसकर्मियों को आमतौर पर सख्त स्वभाव वाला माना जाता है, और उनके काम की प्रकृति भी ऐसी होती है कि उनमें सख्ती आना स्वाभाविक है. लेकिन आजमगढ़ के अपर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र लाल इस धारणा को बदलते नजर आ रहे हैं. इंसानों के साथ-साथ जानवरों के प्रति उनके प्रेम ने उन्हें न सिर्फ जिले में बल्कि पूरे प्रदेश में चर्चित बना दिया है.

शैलेंद्र लाल का बंदरों से खास लगाव है

अक्सर सोशल मीडिया पर उनका बंदरों के साथ खेलते हुए

जरा हट के

वीडियो वायरल होता रहता है. वह ऑफिस जाने से पहले अपना समय बंदरों के साथ बिताना पसंद करते हैं और उन्हें मूंगफली खिलाते हैं. उनके सरकारी आवास के पास कई बंदर रहते हैं, जो दिनभर उनके घर के आसपास खेलते-कूदते नजर आते हैं. खाली समय में बंदरों के

साथ समय बिताना उनके लिए सबसे प्रिय गतिविधियों में से एक है.

अपर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र लाल के पशु प्रेम में उनकी पत्नी भी साथ देती हैं. उन्हें भी बंदरों से विशेष लगाव है. हाल ही में, कुछ लोगों ने बंदरों को मारने की कोशिश की थी, जिससे एक बंदर घायल हो गया था. शैलेंद्र और उनकी पत्नी ने उस घायल बंदर का इलाज करवाया और उसे सुरक्षित रखा. उन्होंने अपने आवास पर बंदरों के लिए पानी की भी व्यवस्था की हुई है.

यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोगों ने शैलेंद्र लाल की जमकर तारीफ की, और उनकी पशु प्रेमी छवि की सराहना की.

नवरात्रि में मां दुर्गा का करें सोलह श्रृंगार

इस साल तीन अक्टूबर से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो रही है। हिंदू धर्म में इस पर्व का विशेष महत्व है। कहते हैं कि इन दिनों देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा करने से वे बहुत जल्दी प्रसन्न होती हैं और मनचाहा वरदान देती हैं। ऐसे में भक्त माता रानी को खुश करने के लिए विधि - विधान सहित उनका पूजन करते हैं। इस दौरान माता का विशेष रूप से श्रृंगार भी किया जाता है। यदि आपके घर माता रानी की मूर्ति है तब तो बताई गई विधि से आप आसानी से उनका श्रृंगार कर सकते हैं लेकिन अगर आपके घर माता की तस्वीर है, तब भी आपको उनका श्रृंगार जरूर करना चाहिए। नवरात्रि में माता रानी के श्रृंगार का विशेष महत्व माना गया है। तो चलिए जानते हैं कि माता रानी की इस नवरात्रि कैसे सजाया जाए।

हिंदू धर्म में 16 श्रृंगार बेहद शुभ और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। यही वजह है कि नवरात्रि के

पवित्र मौके पर माता रानी को भी 16 श्रृंगार से सजाया जाता है। इसमें जो जरूरी चीजें शामिल होती हैं वो हैं - मेंहदी, पायल, गजरा, लाल चूड़ियां, लाल चुनरी, लाल बिंदिया, काजल, मांगटिका, झुमके, नथ, बिछुआ, बाजूबंद, कमर बंद, मंगलसूत्र (जिसकी जगह फूल माला का इस्तेमाल किया जा सकता है)। इसके अलावा माता रानी को लाल रंग का जोड़ा बेहद पसंद है, ऐसे में अगर आपके घर माता रानी की मूर्ति है तब तो आपको उनके लिए लाल रंग का जड़ाऊ लहंगा जरूर लाना चहिए।

ऐसे करें माता रानी का श्रृंगार

नवरात्रि पर माता रानी का श्रृंगार करने के लिए, सबसे पहले एक चौकी की स्थापना करें। इस चौकी को गंगाजल से पवित्र कर लें और इस पर पीले या लाल रंग का कपड़ा बीच दें। अब अपनी माता रानी की मूर्ति या तस्वीर को इस पर स्थापित करें। अगर आपके घर माता रानी की मूर्ति है तब उन्हें स्नान कराने के बाद, लाल जोड़ा पहनाएं। इसके बाद उनकी आंखों में काजल, पैरों में आलता, बिंदिया, चूड़ी और बाकी आभूषण पहनाकर तैयार कर दें। आखिर में फूल माला और मोगरे का इत्र छिड़ककर उनके श्रृंगार को पूरा करें। इसके अलावा अगर आपके घर माता रानी की तस्वीर है तो उसे गांगजल छिड़ककर स्नान कराएं। उसके बाद लाल चुनरी ओढ़ाकर माता को श्रृंगार का सामान अर्पित करें।

इन बातों का रखें खास ख्याल

नवरात्रि पर माता रानी के 16 श्रृंगार के सामान को अर्पित करते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखना जरूरी है। नवरात्रि पर माता रानी को लाल रंग की गोटेदार चुनरी चढ़ाना शुभ माना जाता है। माता रानी को चढ़ाए जाने वाला गजरा असली फूलों का बना होना चाहिए। गुलाब या मोगरे के फूलों का बना हुआ गजरा सबसे शुभ माना जाता है। इसके साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि श्रृंगार के सामान में कोई भी वस्तु काले रंग की ना हो।

सोलह श्रृंगार का महत्व

नवरात्रि पर माता रानी के 16 श्रृंगार का बहुत ही खास महत्व होता है। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि नवरात्रि पर जो माता रानी को 16 श्रृंगार अर्पित करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। घर में सुख और समृद्धि आती है और सुहागिन महिलाओं का सौभाग्य हमेशा बना रहता है। सौभाग्यवती महिलाओं को अपने अखंड सौभाग्य के लिए नवरात्रि पर माता रानी को 16 श्रृंगार की सामग्री अवश्य अर्पित करनी चाहिए।

मटर कचौड़ी

मटर कचौड़ी खाने में जितनी स्वादिष्ट है बनाने में भी उतनी ही आसान है। इसका स्वाद बड़े लोगों से लेकर बच्चों तक को पसंद होता है। तो चलिए जान लेते हैं कैसे बनाई जाती है टेस्टी मटर कचौड़ी।

खाना-खजाना

सामग्री

- कचौड़ी का आटा लगाने के लिए डेढ़ कप मैदा
- -½ कप -गेहूं का आटा
- -नमक (स्वादानुसार)
- -2 बड़े चम्मच तेल
- कचौड़ी के भरावन के लिए
- डेढ़ कप हरी मटर (उबली और दरदरी मैश की हुई)
- 2 बड़े चम्मच तेल
- ½ चम्मच हींग
- 1 चम्मच जीरा
- 1 चम्मच अदरक (कद्दूकस किया हुआ)
- ½ छोटा चम्मच धनिया पाउडर
- 1 चम्मच सौंफ पाउडर
- 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- ½ चम्मच गरम मसाला पाउडर
- ½ छोटा चम्मच अमचूर पाउडर
- 1 चम्मच हरी मिर्च (कटी हुई)
- 2 बड़े फ्रेश हरा धनिया बारीक कटा हुआ
- नमक (स्वादानुसार)
- 2 बड़े चम्मच बेसन

बनाने का तरीका

कचौड़ी का आटा लगाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में मैदा, गेहूं का आटा, नमक और 2 बड़े चम्मच तेल डालकर थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर नरम आटा गूंथ लें। अब इस गूंथे हुए आटे को ढककर रेस्ट करने के लिए अलग रख दें। कचौड़ी का भरावन तैयार करने के लिए सबसे पहले एक पैन में तेल गर्म करके उसमें हींग और जीरा डालकर चटकने दें। इसके बाद पैन में मसले हुए मटर, धनिया पाउडर, सौंफ पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला पाउडर, अमचूर पाउडर, हरी मिर्च, ताजा हरा धनिया और नमक डालकर 2-3 मिनट तक भूनें।

कैसे पता करें घी असली है या नकली?

घी भारतीय रसोई में बहुत यूज होता है, लेकिन बाजार में मिलावट के कारण शुद्ध घी मिलना मुश्किल हो गया है. नकली घी का सेवन सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है. इसलिए घर पर घी की शुद्धता की जांच करना जरूरी है. आइए बताते हैं आपको 5 आसान तरीके, जिनकी मदद से घी की प्योरिटी को टेस्ट कर सकते हैं.

- अपने हाथ की हथेली पर एक चम्मच घी लगाएं. अगर घी कुछ मिनटों में पिघल जाए तो वह शुद्ध है. शुद्ध घी शरीर की गर्मी के कारण जल्दी पिघल जाती है, जबकि नकली घी को पिघलने में अधिक समय लगता है.
- आधा चम्मच घी में आयोडीन की कुछ बूंदें मिलाएं. अगर रंग नीला या काला हो जाए तो स्टार्च मिलाया जाता है. यह विधि स्टार्च की मिलावट की पहचान करने में मदद करती है, जिसे अक्सर नकली घी में मिलाया जाता है.
- एक चम्मच घी गर्म करें. अगर घी तुरंत पिघल जाए और सुनहरे रंग का हो जाए तो यह शुद्ध है. नकली घी आमतौर पर एक सफेद चिपचिपा अवशेष बनाता है.
- शुद्ध घी में एक विशिष्ट सुगंध होती है, जबकि मिलावटी घी में नहीं. शुद्ध घी की खुशबू तेज़ और ताज़ा होती है.
- एक बाउल में घी डालकर 30 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें. अगर घी की अलग-अलग परतें बनाई जाएं तो घी आपस में मिल सकता है. शुद्ध घी जमने के बाद भी एक समान ठोस रहता है.

सेहत के लिए वरदान से कम नहीं है ये जंगली जलेबी

डायबिटीज कंट्रोल करके आयरन की कमी करती है दूर

इमली की शेप का यह फल टेस्टी होने के साथ कई हेल्थ बेनिफिट्स से भरपूर होता है। बात अगर इसमें मौजूद पोषक तत्वों की करें तो इसमें आयरन, पोटैशियम, मैग्नीशियम, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन सी और प्रोटीन प्रचूर मात्रा में पाए जाते हैं। जो सेहत को अनजाने में ही कई गजब के फायदे देते हैं।

कैसा होता है जंगल जलेबी का स्वाद

जंगल जलेबी मूल रूप से मेक्सिको का फल है। जो पकने के बाद लाल रंग का हो जाता है। इसका स्वाद मीठा और कसैला होता है। जो मुंह में डालते ही घुल जाती है।

क्या हैं फायदे

डायबिटीज

डायबिटीज रोगियों की सेहत

के लिए जंगल जलेबी का फल बेहद फायदेमंद माना जाता है। जंगल जलेबी की पत्तियों में एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी-डायबिटिक प्रॉपर्टीज मौजूद होती हैं। इसके अर्क का सेवन करने से डायबिटीज को कंट्रोल करने में फायदा मिल सकता है।

गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ावा

जंगल जलेबी का फल बॉडी में बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करके गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ावा देने में मदद करता है। जिससे दिल से जुड़ी बीमारियां जैसे हार्ट अटैक, स्ट्रोक का खतरा कम हो सकता है।

एनीमिया की समस्या करें दूर

जंगल जलेबी के फल में मौजूद आयरन की प्रचूर मात्रा शरीर में खून की कमी को दूर करके एनीमिया की समस्या से राहत दे सकती हैं।

इम्यूनिटी करें बूस्ट-

जंगल जलेबी का सेवन करने से इम्यूनिटी बूस्ट होती है। जंगल जलेबी के फल में विटामिन C की प्रचूर मात्रा मौजूद होती है, जो शरीर में पहुंचकर एक तरह के एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करता है। जिससे शरीर की रोगों से लड़ने में मदद मिल सकती है।

पेट को रखें स्वस्थ

जंगल जलेबी का फल खाने से पाचन शक्ति में सुधार होता है, जिससे पेट की सेहत अच्छी बनी रहती है। इस फल के नियमित सेवन से ब्लोटिंग, गैस और अपच जैसी पाचन से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

आज का राशिफल

मेष : आज भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। अचानक धन लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में लाभ होगा। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। मान-प्रतिष्ठा में बढ़ेगी। कामकाज की बाधाएं दूर होंगी। कर्मचारियों पर व्यर्थ संदेह न करें, उनका सहयोग मिलेगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य कमजोर होगा।

वृषभ : आज स्वविवेक से कार्य करना लाभप्रद रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पारिवारिक उन्नति होगी। सुखद यात्रा के योग बनेंगे।

मिथुन : पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अधूरे कामों में गति आएगी। व्यावसायिक गोपनीयता भंग न करें। गीत-संगीत में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

कर्क : यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। वाणी पर संयम आवश्यक है। जीवनसाथी से मदद मिलेगी। सामाजिक यज्ञ-सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

सिंह : पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। नौकरी में ऐच्छिक पदोन्नति की संभावना है। किसी की आलोचना न करें। खानपान का ध्यान रखें। आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी।

कन्या : नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा। नई योजना में लाभ की संभावना है। घर में मांगलिक आयोजन हो सकते हैं। जीवनसाथी से संबंध घनिष्ठ होंगे। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

तुला : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे। आलस्य का परित्याग करें। आपके कामों की लोग प्रशंसा करेंगे। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। व्यापार लाभप्रद रहेगा। नई कार्ययोजना के योग प्रबल हैं।

वृश्चिक : व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है। आहार की अनियमितता से बचें। व्यापार, नौकरी में उन्नति होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रखें।

धनु : आज मान-सम्मान प्राप्त होगा। नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी। दांपत्य जीवन में भावनात्मक समस्याएं रह सकती हैं। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें।

मकर : पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे। पारिवारिक उलझनों के कारण मानसिक कष्ट रहेगा। धैर्य एवं संयम रखकर काम करना होगा। यात्रा आज न करें।

कुंभ : व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। दूरदर्शिता एवं बुद्धि चातुर्य से कठिनाइयां दूर होंगी। नौकरी में सफलता मिलने के योग हैं। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। पुराना रोग उभर सकता है। चोट व दुर्घटना से बचें। वस्तुएं संभालकर रखें। घरेलू मामले में दिन सामान्य रहेगा।

मीन : आज परिवार के सहयोग से दिन उत्साहपूर्ण व्यतीत होगा। योजनानुसार कार्य करने से लाभ की संभावना है। आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। बेचैनी रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से 3 मजदूरों की मौत, एक ही बाइक पर सवार थे 4 लोग

बांदा. यूपी के बांदा से एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। जहां सोमवार को एक तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से बाइकसवार तीन मजदूरों की मौत हो गई। जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल है। सभी एक ही बाइक पर सवार थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं अस्पताल में घायल का इलाज चल रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) शिवराज ने बताया कि सोमवार को नरैनी कोतवाली क्षेत्र के करतल रोड का है। जहां लहुरेटा गांव के नजदीक छनिहा पुरवा में एक ही मोटरसाइकिल पर सवार चार मजदूरों को एक तेज रफ्तार डंपर कुचलता हुआ निकल गया। जिससे तीन मजदूरों विजय बहादुर (29), मनोज उर्फ बउआ (24) और प्रभु दयाल (20) की मौत हो गई है, जबकि एक अन्य मजदूर रामबाबू (22) गंभीर रूप से घायल हो गया।

छह महीने में नौ बार पति-पत्नी को एक ही कुत्ते ने काटा, डर के कारण भागे अयोध्या

अंबेडकरनगर. अंबेडकरनगर में सम्मनपुर थाना क्षेत्र के अमौली मोहद्दीनपुर गांव में आवारा कुत्ते के हमले से एक परिवार दहशत में है। बीते दिनों कुत्ते के हमले से दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए थे। छह माह में एक ही कुत्ते ने दंपति पर नौ बार हमला किया है। कुत्ते के खौफ में दंपति घर छोड़कर पिछले चार दिनों से अयोध्या में भगवान श्रीराम के दरबार में शरण लिए हुए हैं। उनका टीचर बेटा भी कुत्ते के डर के कारण ही घर में कैद है। अमौली मोहद्दीनपुर गांव में कुत्ता गांव के कृष्ण कुमार उपाध्याय व उनकी पत्नी पुष्पा उपाध्याय पर पिछले छह महीने में नौ बार हमला कर गंभीर रूप से घायल कर चुका है। बीते दिनों कुत्ते के हमले से कृष्ण कुमार उपाध्याय को गंभीर चोटें आई थी। पैर में 10 टांके भी लगे थे। कुत्ते ने उनको दस मीटर तक घसीटते हुए बुरी तरह घायल कर दिया था।

कब्रिस्तान में दफनाए गए शव का सिर काट ले गए बदमाश, कब्र के पास मिला तंत्र क्रिया का सामान

बिजनौर. यूपी के बिजनौर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक कब्रिस्तान में दफनाए गए शव का सिर काटकर ले जाने का मामला सामने आया है। साथ ही मौके पर तंत्र क्रिया का सामान भी बरामद हुआ है। वहीं, सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई।

ये घटना जिले के हल्दौर थाना क्षेत्र का है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) संजीव वाजपेयी ने बताया कि सोमवार सुबह सूचना मिली कि थाना हल्दौर के खारी में कब्रिस्तान में एक कब्र से अज्ञात शरारती तत्व शव का सिर काट कर ले गये। पुलिस तुरन्त घटनास्थल पर पहुंची तो पता चला कि लगभग 85 वर्षीय कारी सैफुर्रहमान का शव 25 जुलाई को दफनाया गया था। आज जब कुछ लोग वहां फातिहा पढ़ने आए तो उन्हें कब्र खुली मिली और शव से सिर गायब था। कब्र के पास से तंत्र क्रिया का कुछ सामान मिला है। एएसपी ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए टीमें गठित कर दी गयी हैं।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखना, डाउनलोड करना अपराध

- सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट का फैसला पलटा
- कहा- अदालतें इस शब्द का इस्तेमाल भी न करें

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना और देखना POCSO और IT एक्ट के तहत अपराध है। CJI डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए फैसला सुनाया।

मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि अगर कोई ऐसा कंटेंट डाउनलोड करता और देखता है, तो यह अपराध नहीं, जब तक कि नीयत इसे प्रसारित करने की न हो। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे कंटेंट का स्टोरेज, इसे डिलीट ना करना और इसकी शिकायत ना करना बताता है कि इसे प्रसारित करने की नीयत से स्टोर किया गया है। हाईकोर्ट ने ये केस खारिज करके अपने फैसले में गंभीर गलती की है। हम उसका फैसला रद्द करते हैं और केस को वापस सेशन कोर्ट भेजते हैं।

जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा-
चाइल्ड पोर्नोग्राफी की जगह 'चाइल्ड सेक्शुअल एक्सप्लॉएटेटिव एंड एब्यूसिव मटेरियल' शब्द का इस्तेमाल किया जाए। केंद्र सरकार अध्यादेश लाकर बदलाव करे। अदालतें भी इस शब्द का इस्तेमाल न करें।

केरल हाईकोर्ट ने भी मद्रास HC जैसा फैसला सुनाया था

केरल हाईकोर्ट ने 13 सितंबर 2023 को कहा था कि अगर कोई व्यक्ति अश्लील फोटो या वीडियो देख रहा है तो यह अपराध नहीं है, लेकिन अगर दूसरे को दिखा रहा है तो यह गैरकानूनी होगा। इसी फैसले के आधार पर मद्रास हाईकोर्ट ने 11 जनवरी को एक आरोपी को दोषमुक्त कर दिया था।

हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ SC पहुंचा था NGO

मद्रास हाईकोर्ट के फैसले के बाद NGO जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस और नई दिल्ली के NGO बचपन बचाओ आंदोलन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 12 अगस्त को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस ने कहा था कि हाईकोर्ट का आदेश चाइल्ड पोर्नोग्राफी को बढ़ावा दे सकता है। फैसले से ऐसा लगेगा कि ऐसा कंटेंट डाउनलोड करने और रखने वाले लोगों पर मुकदमा नहीं चलाया जाएगा।

आतिशी ने CM की कुर्सी खाली छोड़ी

- कहा- जैसे भरत ने खड़ाऊं रखकर सिंहासन संभाला, मैं दिल्ली संभालूंगी

नई दिल्ली. दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार (23 सितंबर) को पदभार संभाल लिया। वह सुबह 12 बजे CM ऑफिस पहुंचीं और औपचारिकताएं पूरी कीं। इस दौरान आतिशी ने CM ऑफिस में एक खाली कुर्सी छोड़ी दी और खुद दूसरी कुर्सी पर बैठीं।

आतिशी ने कहा- 'जैसे राम के वनवास जाने के बाद भरत ने खड़ाऊं रखकर अयोध्या का सिंहासन संभाला, मैं उसी तरह दिल्ली CM की कुर्सी संभालूंगी। 4 महीने बाद दिल्ली के लोग केजरीवाल को फिर से इसी कुर्सी पर बैठाएंगे। तब तक ये कुर्सी इसी कमरे में रहेगी और केजरीवाल जी का इंतजार करेगी।'

आतिशी के बयान पर दिल्ली भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा- 'इस हरकत से आतिशी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की गरिमा के साथ ही दिल्ली की जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। यह कोई आदर्श नहीं हैं। सीधी भाषा में चापलूसी है। केजरीवाल बताएं, क्या सरकार रिमोट कंट्रोल से चलाएंगे।'

दिल्ली शराब नीति केस में 13 सितंबर को जमानत पर बाहर आने के बाद केजरीवाल ने 17 सितंबर को CM पद से इस्तीफा दे दिया था। 21 सितंबर को आतिशी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री बनीं। 23 सितंबर को उन्होंने 5 मंत्रियों के साथ शपथ ली।

मधुमक्खियों ने मचा दिया कोहराम, 4 को मार डाला

रांची. झारखंड के रांची से दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां मधुमक्खी के काटने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई है। घटना तुपुदान थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। मृतकों में एक महिला और तीन बच्चे शामिल है। घटना 21 सितंबर की बताई जा रही है। पीड़िता के पति सुनिल बारला ने बताया कि उसकी पत्नी अपने बच्चों के साथ मायके गई हुई थी। उसी दौरान यह घटना घटी। पति ने बताया कि वह तुपुदान थाना क्षेत्र के हरदाग गढ़ा टोली इलाके में स्थित अपने मायके गई थी। शनिवार को वह एक कुएं के पास नहाने गए थे। इसी दौरान अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया जिसमें चारों की मौत हो गई।

तिरुपति लड्डू विवाद- मंदिर का शुद्धिकरण हुआ

परिसर में 4 घंटे महाशांति यज्ञ; प्रसाद बनाने वाली रसोई को दूध-दही और गोमूत्र से शुद्ध किया

हैदराबाद. आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) की शुद्धि के लिए महाशांति यज्ञ किया गया। सोमवार सुबह 6 से 10 बजे तक चले पंचगव्य प्रोक्षण (शुद्धिकरण) में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (TTD) बोर्ड के अधिकारी समेत 20 पुजारी शामिल हुए। अनुष्ठान में लड्डू और अन्नप्रसादम रसोई की शुद्धि की गई। आंध्र के सीएम CM चंद्रबाबू नायडू की पार्टी TDP ने 18 सितंबर को आरोप लगाया कि राज्य में YSR कांग्रेस सरकार में तिरुपति मंदिर में मिलने वाले लड्डू (प्रसादम) में जानवरों की चर्बी वाला घी और फिश ऑयल मिलाया गया था। इसके अगले दिन TDP ने एक लैब रिपोर्ट दिखाकर अपने आरोपों की पुष्टि का दावा किया। राज्य सरकार ने तिरुपति मंदिर के लड्डुओं की जांच के लिए SIT बना दी है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि SIT की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी।

प्रसादम विवाद से जुड़े 3 अपडेट्स...

- भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। स्वामी ने प्रसादम में एनिमल फैट के इस्तेमाल के खिलाफ कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है।
- राज्यसभा के सदस्य और देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व अध्यक्ष वाई.वी. सुब्बा रेड्डी ने भी सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाली समिति से मामले की जांच करने की मांग की है।
- श्री ललिता पीठम में विश्व हिंदू परिषद बैठक हुई। विहिप ने सुप्रीम कोर्ट से तिरुपति लड्डू में मिलावट के आरोपों पर एक्शन लेने और दोषियों की पहचान के लिए जांच शुरू करने की अपील की है।

बेंगलुरु कांड की खौफनाक कहानी, सरकार भी घिरी

अशरफ कर गया महालक्ष्मी के 30 टुकड़े

बेंगलूरु. बेंगलूरु के एक फ्लैट में 30 टुकड़ों में मिले महिला के शव के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। खौफनाक तरीके से मारी गई महिला की पहचान 29 साल की महालक्ष्मी के तौर पर हुई है। महालक्ष्मी बीते करीब 9 महीने से अपने पति से अलग रह रही थी और उसके रिश्ते अशरफ नाम के युवक से थे, जो उत्तराखंड का रहने वाला बताया गया है। महालक्ष्मी के पति हेमंत दास ने बताया कि उन्होंने पत्नी को एक महीने पहले देखा था, जब वह उनकी दुकान पर बेटी से मिलने आई थी। इंडिया टुडे से बातचीत में हेमंत दास ने कहा कि महालक्ष्मी के रिश्ते कुछ महीनों से अशरफ के साथ थे और उसके साथ ही फ्लैट में रहती थी। महालक्ष्मी का शव फ्लैट में ही 30 टुकड़ों में पाया गया था। इस कत्ल के बारे में तब पता चला, जब लोगों को बदबू आई और दरवाजा तोड़ा गया। अंदर जाने पर पुलिस के भी होश उड़ गए और महालक्ष्मी का शव बुरे हाल में टुकड़े-टुकड़े पाया गया। इसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हैं, जो इतनी वीभत्स हैं कि उन्हें यहां प्रकाशित भी नहीं किया जा सकता। हेमंत दास ने कहा कि अशरफ और महालक्ष्मी ने उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दी थी, जिसके चलते वह बेंगलुरु नहीं जाता था। अब इस मामले ने सभी के होश उड़ा दिए हैं और मामला सांप्रदायिक तनाव का भी बन सकता है। भाजपा ने राज्य की सिद्धारमैया सरकार पर आरोप लगाया है कि इसीलिए कांग्रेस लव जिहाद कानून का विरोध करती है क्योंकि उसे एक वर्ग को ऐसी ही छूट देनी है।

नाई की दुकान पर काम करता था आरोपी अशरफ

यही नहीं बाहरी बनाम कन्नाडिगा का भी मामला बन गया है। भाजपा का कहना है कि सिद्धारमैया के शासन में इस तरह कन्नाडिगा मारे जा रहे हैं। हेमंत दास ने बताया कि महालक्ष्मी के साथ उसकी शादी करीब 6 महीने तक चली, लेकिन कुछ महीने पहले दोनों कई मसलों पर विवाद के चलते अलग हो गए थे। हेमंत दास ने दावा किया कि उनकी पत्नी अशरफ नाम के शख्स के साथ अवैध संबंध में थी। अशरफ बेंगलुरु के नेलामंगला इलाके में एक नाई की दुकान में काम करता था। उन्होंने कहा कि मुझे संदेह है कि अशरफ ने ही यह कत्ल किया है। इसकी वजह ब्लैकमेलिंग का केस हो सकता है, जो कुछ महीने पहले ही महालक्ष्मी ने उसके खिलाफ दर्ज कराया था।

ट्रेन बेपटरी करने की कोशिश का मामला

सूरत में रेलवे का कर्मचारी ही निकला आरोपी

- प्रमोशन पाने की-मैन ने रची थी साजिश

सूरत. सूरत में शुक्रवार की तड़के सुबह किम रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक के साथ छेड़छाड़ की गई थी। यहां अप लाइन की पटरी से फिश प्लेट और 71 कीज हटा दी गई थीं। वहीं, दो फिश प्लेट उसी पटरी पर रख दी गई थीं। लेकिन, समय रहते ही की-मैन सुभाष कुमार ने ये फिश प्लेट पटरी पर रखी देख ली थीं, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

की-मैन सुभाष कुमार ने ही रची थी साजिश

अब इसी मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि यह साजिश खुद की-मैन सुभाष कुमार ने ही रची थी। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार सुभाष ने प्रमोशन पाने के लिए इस पूरे षड़यंत्र को अंजाम दिया था। कीज और फिश प्लेटें भी उसी ने ही निकाली थीं। अब पुलिस इस जांच में जुटी है कि सुभाष ने इसमें किन-किन लोगों की मदद ली थी। देश में लगातार ट्रेनों को बेपटरी करने की वारदात से सुभाष को यह आइडिया आया था। उसने सोचा था कि बड़ा हादसे रोकने की उसकी सतर्कता से उसे जल्द ही प्रमोशन मिल जाएगा।

कीम रेलवे स्टेशन मास्टर को सबसे पहले की-मैन सुभाष कुमार ने ही इसकी जानकारी दी थी। सुभाष ने बताया था कि वह अपनी ड्यूटी के दौरान रेलवे ट्रैक का निरीक्षण कर रहा था। इसी दौरान उसने देखा कि ट्रैक से फिश प्लेट और कीज के पार्ट निकालकर उन्हें अप मेन लाइन के ऊपर रख दिया गया है। सूचना मिलते ही स्टेशन मास्टर ने इस ट्रैक से कुछ ही देर में गुजरने वाली दो पैसेंजर ट्रेनें रुकवा दी थीं।

कोलकाता में अब हॉस्टल की नाबालिग छात्राओं से छेड़छाड़, 3 आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता. कोलकाता में हॉस्टल की स्कूली लड़कियों के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस आरोप में 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, हॉस्टल वार्डन के पति और एक शिक्षक ने नाबालिग बच्चियों के साथ कई बार छेड़छाड़ की। यह घटना कोलकाता के हरिदेवपुर इलाके में स्थित सेंट स्टीफंस स्कूल के हॉस्टल की है। पूरा मामला उस वक्त सामने आया जब रविवार को छात्राओं के माता-पिता उनसे मिलने गए। लड़कियों ने आपबीती सुनाई और फिर पेरेंट्स शिकायत लेकर पुलिस थाने पहुंचे।

बताया जा रहा है कि हॉस्टल वार्डन की कुछ दिन पहले शादी हुई थी। इसके बाद से ही उसका पति अक्सर छात्रावास आता रहता था। वह रात भर पत्नी के साथ रुकता भी था। मगर, इन मुलाकातों की जानकारी छात्रावास के दूसरे अधिकारियों को नहीं थी। वार्डन के पति पर आरोप है कि उसने कुछ दिन पहले एक छात्रा का यौन उत्पीड़न किया। इसके बाद हॉस्टल में उसने तीन और छात्राओं के साथ छेड़छाड़ की। पुलिस ने इस केस में हॉस्टल वार्डन, सेंट स्टीफंस स्कूल के टीचर और अथॉरिटी से जुड़े एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। हालांकि, वार्डन का पति अभी फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

इंडिया टेस्ट में चौथी सबसे कामयाब टीम

टीम इंडिया टेस्ट की चौथी सबसे कामयाब टीम बन गई है। भारत ने ओवरऑल 179वां टेस्ट मैच जीत लिया है। सबसे ज्यादा टेस्ट जीतने के मामले में भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के साथ चौथे नंबर है। अब भारत के नाम हार से ज्यादा जीत हैं। ऐसा चार टीमें ही कर सकी हैं। रविवार को चेन्नई के एमए चिदम्बरम स्टेडियम में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 280 रन से हराया। रविचंद्रन अश्विन प्लेयर ऑफ द मैच रहे। इस मुकाबले के दौरान कई रिकॉर्ड बने।

■ भारत ने 179 मैच जीते, 178 हारे

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत के बाद भारत टेस्ट में की चौथी कामयाब टीम बन गई हैं। सबसे ज्यादा टेस्ट जीतने के मामले में भारत ने साउथ अफ्रीका की बराबरी कर ली है। टीम इंडिया ने अब तक 580 में से 179 मुकाबले जीते हैं, साउथ अफ्रीका फिलहाल 179 जीत के साथ चौथे नंबर पर है। 414 जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया पहले, 397 जीत के साथ इंग्लैंड दूसरे और 183 जीत के साथ वेस्टइंडीज तीसरे नंबर पर है।

■ अश्विन 10वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच

भारत के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के पास हैं। उन्होंने 14 बार ये अवॉर्ड जीता है। अश्विन ने चेन्नई टेस्ट में शतक लगाने के साथ 6 विकेट लिए। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच दिया गया। अश्विन को 10वीं बार टेस्ट में ये अवॉर्ड मिला।

■ टेस्ट में भारत के लिए एक ही मैच में शतक और 5 विकेट

टेस्ट में भारत के लिए रविचंद्रन अश्विन ने चौथीं बार किसी मैच में शतक और 5 विकेट लिया है। उनके बाद रविंद्र जडेजा हैं, जिन्होंने 2 बार ये कारनामा किया है।

■ 5 विकेट हॉल में वॉर्न के बराबर अश्विन

टेस्ट में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट लेने के मामले में स्पिनर अश्विन ने ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज शेन वॉर्न की बराबरी कर ली हैं। उनके अब टेस्ट क्रिकेट में 37 बार पांच विकेट हो गए हैं।

■ पंत ने छठा टेस्ट शतक लगाया, धोनी की बराबरी की

ऋषभ पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ अपने करियर का छठा शतक लगाया। उन्होंने 109 रन की पारी खेली। इसी के साथ वह भारत के लिए सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने वाले विकेटकीपर में एमएस धोनी के साथ पहले नंबर पर पहुंच गए। धोनी ने 90 टेस्ट में 6 शतक लगाए थे। पंत ने 34 टेस्ट में ही 6 शतक लगा दिए।

1600 आईफोन लूटे और चोर बाजार में बेचे

- आईफोन की कीमत 12 करोड़ रुपए

सागर. सागर में लखनादौन-झांसी हाईवे पर कंटेनर से 1600 आईफोन लूटने वाले बदमाशों का नाम-पता मिल गया है। 14-15 अगस्त 2024 की दरमियानी रात ये वारदात हरियाणा के मेवाती गैंग ने की। कंटेनर चेन्नई से दिल्ली जा रहा था। इसमें 3980 आईफोन लोड थे। लूटे गए 1600 आईफोन की कीमत 12 करोड़ रुपए है।

हरियाणा में चुनाव हैं, इसीलिए लोकल पुलिस की मदद नहीं मिलने से सागर पुलिस बदमाशों तक नहीं पहुंच पा रही है। सागर पुलिस ने अपने स्तर पर बदमाशों के ठिकानों पर दो से तीन बार दबिश दी, लेकिन वे हाथ नहीं आए। लूटे गए आईफोन के ऑन होने पर एपल कंपनी ही इन्हें ट्रेस कर इनपुट पुलिस को दे रही है।

पुलिस को इनपुट मिला है कि बदमाशों ने चोर बाजार और ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स के जरिए आईफोन देश से बाहर तक बेच दिए हैं। अब तक अलग-अलग लोकेशन से 200 से ज्यादा लूटे गए आईफोन भी बरामद कर लिए गए हैं। मुख्य बदमाश की धरपकड़ के लिए पुलिस की 7 टीमें अलग-अलग जगहों पर घात लगाए हुए हैं। तीन साल पहले भी मोबाइल लूटे गए थे।

हाईवे से लूटे गए 1600 आईफोन बदमाश धीरे-धीरे अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर बेच रहे हैं। उन्होंने दिल्ली के चोर बाजार में भी मोबाइल बेचे हैं। अपने नेटवर्क की मदद से ई-कॉमर्स वेबसाइट्स के जरिए भी आईफोन बेच रहे हैं। ऑनलाइन शॉपिंग कर देश ही नहीं, पड़ोसी देशों के लोगों ने भी आईफोन खरीदे हैं।

उल्हासनगर महानगरपालिका
मालमत्ता कर विभाग
प्रसिध्दीकरीता

शहरातील नागरिक व बंधू भगिनींना कळविण्यात येते की, वर्ष 2024-25 करीता दि. 28 सष्टेंबर, 2024 रोजी राष्ट्रीय लोक अदालतचे आयोजन करण्यात येत असून, त्याअंतर्गत मालमत्ता करावरील 100% विलंब शास्ती माफ करण्यात आली आहे. त्यानुसार विलंब शास्ती माफीचा लाभ घेवून आपले थकीत कराचा भरणा करुन महानगरपालिकेस सहाकार्य करावे.

सही/-
(निलम चंद्रकांत कदम)
कर निर्धारक व संकलक
उल्हासनगर महानगरपालिका

जाक्र. उमपा/पिआरओ/356/2024
दि. 23/9/2024

बांधकाम विभाग,
जिल्हा परिषद ठाणे.
निविदा सूचना क्र. 17 वे वर्ष 2024-2025

अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिल्हा परिषद ठाणे हे ई-निविदा द्वारे सर्व लेखाशिर्षाखाली बांधकाम विभाग, जिल्हा परिषद ठाणे कडील कामांच्या Online निविदा मागवित आहेत.

1. विस्तृत माहिती http://mahatenders.gov.in या संकेत स्थळावर उपलब्ध आहे.
2. सदर ई निविदा Online Download/Upload खालिल वेळापत्रकाप्रमाणे करण्यात येईल.

निविदा सुचना	ई निविदा Online Download/ Online Upload करण्याचा दिनांक क्रमांक	निविदा उघडण्याचा दिनांक (शक्य असल्यास)	एकुण कामे
17	दि. 23/09/2024 ते दि. 01/10/2024	दि. 01/10/2024	05

3. सदरहु ई-निविदाबाबत या पुढील सर्व शुध्दीपत्रक तसेच फेरनिविदा अथवा इतर माहिती http://mahatenders.gov.in या संकेत स्थळावर प्रसिध्द करण्यात येईल.

सही/-
कार्यकारी अभियंता
बांधकाम विभाग
जिल्हा परिषद ठाणे

सही/-
अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी
जिल्हा परिषद ठाणे

जाक्रं./टाजिप/बांवि/ई-निविदा/17/2024
बांधकाम विभाग जि.प. ठाणे
दिनांक : 21/09/2024

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

अंबरनाथ नगरपरिषद, अंबरनाथ

स्वातंत्र्याचा अमृत महोत्सव

जा.क्र.अंनप/पापुवजनि/2024-25/814 दि. 23/9/2024

कोटेशन नोटीस

अंबरनाथ नगरपरिषदेस खालील काम करावयाचे असुन, नोंदणीकृत ठेकेदार यांचेकडुन त्याबाबत सिलबंद कोटेशन्स मागविण्यात येत आहेत. ज्या कोणास सदर काम करावयाचे असेल त्यांनी सदर कामांचे दर सर्व करांसह बंद पाकीटात खाली सही करणार यांचेकडे दि. 30/9/2024 रोजी सायं 3.00 वाजे पर्यंत आणून द्यावेत. तसेच आलेली कोटेशन त्याच दिवशी किंवा प्रशासनाच्या सोयीनूसार हजर कोटेशन धारकांसमक्ष उघडण्यात येतील. कोणतेही एक कोटेशन स्विकारणे अथवा नाकारणेचा अधिकार निम्न स्वाक्षरीकार यांनी राखून ठेवला आहे. तसेच खालील पैकी कोणतेही एक कागदपत्र सादर न केल्यास किंवा सादर केलेल्या कोणत्याही कागदपत्रात खरेपणा न आढळल्यास कोटेशन फेटाळण्यात येतील याची नोंद घ्यावी.

अ. क्र.	कामाचे नाव	अंदाजित रक्कम रु. (GST वगळून)	इसारा रक्कम रु.
01.	अंबरनाथ नगरपरिषद वॉर्ड क्र.02 महेंद्रनगर येथील रिमा दुबे, मोरे यांच्या घराच्या परिसरात पी.सी.सी. करुन पेव्हर ब्लॉक बसविणे.	रु. 5,02,528/-	रु. 5025/-

१) तांत्रिक बोलीचा लिफाफा क्र. ०१
अ) पॅनकार्ड
क) कॉन्ट्रॅक्टर परवाना.
ड) जी.एस.टी. नोंदणी प्रमाणपत्र.
इ) इसारा रक्कमेचा डी.डी

२) वित्तीय बोलीचा लिफाफा क्र. ०२
अ) मूळ प्रतितील दरपत्रक.

टिप :- सदर कोटेशन नगरपरिषदेच्या www.ambarnathcouncil.net या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहे.
प्रत :- सुरक्षा विभाग नगरपरिषद नोटीस बोर्डावर प्रसिध्दीकरिता.

शिक्का

सही/-
(डॉ. प्रशांत रसाळ)
मुख्याधिकारी,
अंबरनाथ नगरपरिषद

संक्षेप...

अवैध होर्डिंग्स के खिलाफ मनपा की कार्रवाई

नवी मुंबई. अनगिनत होर्डिंग्स से शहर बदरंग हो रहा है। गणेशोत्सव के दौरान पूरे शहर में जगह-जगह होर्डिंग लगे हुए थे. अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन के बाद ही नगर पालिका ने कार्रवाई की और दो दिन में 2500 से ज्यादा होर्डिंग नगर पालिका ने हटा दिए हैं. गणेशोत्सव के दौरान देखा गया कि शहर की सड़कों पर होर्डिंग उतर गए थे. हालाँकि, गणेशोत्सव के बाद, अनंत चतुर्दशी के बाद नवी मुंबई नगर निगम के अधिकार क्षेत्र के सभी विभागों में मनपा ने कार्रवाई की है। नगर पालिका द्वारा दो दिनों में की गई कार्रवाई में कुल 1893 छोटे और 623 बड़े बोर्ड के विरुद्ध दो हजार 516 बोर्ड पर कार्रवाई की गई है। नगरपालिका क्षेत्र में विज्ञापन बैनर छापने वाले कुल 22 मुद्रण पेशेवरों को विभाग कार्यालय के माध्यम से लिखित निर्देश दिए गए थे।

10 साल बाद भारत में रिलीज हो रही पहली पाकिस्तानी फिल्म

राज ठाकरे बोले- अंजाम अच्छा नहीं होगा

मुंबई. पड़ोसी मुल्क के अभिनेता फवाद खान और अभिनेत्री माहिरा खान की पाकिस्तानी फिल्म 'द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट' भारत में रिलीज से पहले मुश्किलों में पड़ती दिख रही है। दरअसल, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि फिल्म को महाराष्ट्र में रिलीज नहीं होने दिया जाएगा। बयान ऐसे समय में आया है, जब यह फिल्म भारतीय सिनेमाघरों में एक दशक से अधिक समय में रिलीज होने वाली पहली पाकिस्तानी फिल्म बनने जा रही है। इसका प्रीमियर 2 अक्तूबर को होना है। राज ठाकरे ने भारत में पाकिस्तानी कलाकारों वाली फिल्मों की रिलीज की आलोचना करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को देखते हुए पाकिस्तान के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। यह तय है कि यह फिल्म महाराष्ट्र में रिलीज नहीं

होगी और अगर हुई तो अंजाम अच्छा नहीं होगा।

'किसी भी राज्य में प्रदर्शित होने की इजाजत नहीं देनी चाहिए'

राज ठाकरे ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान की फिल्म 'लीजेंड ऑफ मौला जट' जल्द ही भारत में रिलीज होने वाली है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना किसी भी हालत में फिल्म को महाराष्ट्र में रिलीज नहीं होने देगी। पाकिस्तानी कलाकारों की फिल्मों को भारत में रिलीज करने की इजाजत क्यों दी गई? कला की कोई राष्ट्रीय सीमा नहीं होती, जो अन्य मामलों में तो ठीक है, लेकिन पाकिस्तान के केस में यह बिल्कुल भी काम नहीं करेगा। भारत से नफरत के मुद्दे पर बंटे देश के कलाकारों को यहां लाकर नाचने और उनकी फिल्में दिखाने के लिए किस तरह की कार्रवाई की जा रही है? सरकारों को इस फिल्म को महाराष्ट्र तो क्या, देश के किसी भी राज्य में प्रदर्शित होने की इजाजत नहीं देनी चाहिए।'

'महाराष्ट्र में रिलीज नहीं होने दिया जाएगा'

उन्होंने आगे लिखा, 'बेशक, सवाल यह है कि बाकी राज्यों को क्या करना चाहिए? यह तय है कि इस फिल्म को महाराष्ट्र में रिलीज नहीं होने दिया जाएगा। पहले भी ऐसी घटनाएं होने पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की कार्रवाई सभी को याद होगी। इसलिए अब थिएटर मालिकों से विनम्रतापूर्वक अनुरोध किया जाता है कि वे फिल्मों की स्क्रीनिंग की दुविधा में न पड़ें। जिस वक्त यह फिल्म रिलीज होगी, उसी वक्त के आस पास नवरात्रि उत्सव शुरू हो जाएगा। मैं नहीं चाहता कि महाराष्ट्र में कोई टकराव हो और ऐसा राज्य के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और पुलिस महानिदेशक भी नहीं चाहते होंगे। हम कोई संघर्ष नहीं चाहते।'

'यह उदारता महंगी पड़ेगी'

राज ठाकरे ने लिखा, 'इसलिए हमें समय रहते कदम उठाना चाहिए और देखना चाहिए कि यह फिल्म हमारे देश में रिलीज न हो। यह नहीं भूलना चाहिए कि मराठी फिल्मों के लिए थिएटर मुहैया कराने में आनाकानी करने वाले थिएटर मालिक अगर पाकिस्तानी सिनेमा को अपनी धरती पर आने की इजाजत देंगे तो यह उदारता महंगी पड़ेगी।

अब लॉटरी नहीं बल्कि सिडको से सीधे बुक करा सकेंगे घर

- सिडको 2 अक्टूबर से शुरू कर सकती है योजना
- 10 प्रतिशत कम होगी घरों की कीमत

नवी मुंबई। नवी मुंबई में घर खरीदने वालों के लिए एक अच्छी खबर है। सिडको की महाविकास गृह निर्माण योजना के तहत बनाए जा रहे घरों की बुकिंग 2 अक्टूबर से शुरू होने की संभावना है. सिडको के विश्वसनीय सूत्रों का कहना है कि इस बार लॉटरी से घर नहीं बिकेंगे, बल्कि लोग सीधे पैसे देकर घर बुक करा सकेंगे. जानकारी के अनुसार म्हाडा के बाद सिडको ने भी घर की कीमतें कम करने का फैसला किया है। सिडको ने मौजूदा कीमत में 10 फीसदी की कटौती करने का फैसला किया है. इसलिए मकानों की कीमत सीधे तौर पर पांच से छह लाख तक कम हो जाएगी.

सिडको द्वारा बनाए गए घरों की कीमतें कम करने का फैसला किया है उल्लेखनीय है की इससे पहले म्हाडा ने घरों की कीमतों में कमी की है । मौजूदा कीमत में 10 फीसदी की कटौती का फैसला सिडको की बोर्ड मीटिंग में लिया गया है. प्रधानमंत्री आवास योजना से भी मिलेगा ढाई लाख का लाभ खरीदने वाले व्यक्ति को मिलेगा . इसलिए घर की कीमतें सीधे तौर पर 5 से 6 लाख रुपये तक कम होने जा रही हैं. 47 हजार घरों में से 25 हजार घरों का विज्ञापन 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर किया जाएगा। इस बार लॉटरी से घर नहीं बिकेंगे, बल्कि लोग सीधे पैसे देकर घर बुक करा सकेंगे. चूंकि ये घर नवी मुंबई में रेलवे स्टेशन के पास बने हैं इसलिए ये लोगों को खूब पसंद आएंगे. इस तरह का भरोसा सिडको द्वारा व्यक्त किया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक सिडको रेलवे स्टेशन के पास बने घरों को बेचने की प्रक्रिया शुरू कर रहा है. इसलिए मुंबई के साथ-साथ मुंबई उपनगरों में रहने वालों के लिए किफायती घर खरीदने का यह सुनहरा मौका है। सिडको ने वाशी, सानपाड़ा, जुईनगर, खांदेश्वर, नेरुल जैसे प्रमुख स्थानों पर घर बनाए हैं। फिलहाल 67 हजार घरों का काम चल रहा है और 40 हजार घरों का काम पूरा हो चुका है.

छत का प्लास्टर गिरने से 5 साल की बच्ची की मौत

मुंब्रा. मुंब्रा में एक घर की छत का प्लास्टर गिरने से पांच साल की बच्ची की मौत हो गई, जबकि एक बच्चे सहित उसके परिवार के तीन अन्य लोग घायल हो गए, ठाणे नगर निगम के अधिकारियों ने रविवार को बताया। मृतक की पहचान उनेजा शेख के रूप में हुई है। घायलों में उमर शेख (23), मुस्कान शेख (21) और इजान शेख (1) शामिल हैं।

ठाणे मनपा के अनुसार, यह घटना ठाणे के मुंब्रा इलाके के पास हुई। उन्होंने बताया, घटना में 5 साल की बच्ची की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए।विस्तृत जानकारी का इंतजार है।इस महीने की शुरुआत में मुंबई के चेंबूर इलाके में एक घर का हिस्सा गिरने से एक बच्ची की मौत हो गई थी और एक महिला घायल हो गई थी।यह घटना मुंबई के चेंबूर (पश्चिम) इलाके में पीएल लोखंडे मार्ग पर एकता मित्र मंडल के पास सरस्वती गली में हुई थी।

साली ने जीजा पर लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप

- कई बार किया रेप

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में एक शख्स ने अपनी साली के साथ यौन उत्पीड़न किया है। पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि ठाणे में एक महिला ने अपने जीजा पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। वहीं, महिला का आरोप है कि उसके जीजा ने उसे गर्भपात के लिए मजबूर किया। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि उसके 32 वर्षीय जीजा ने 26 जनवरी को उसकी बहन के घर पर तथा उसके बाद के महीनों में कई बार उसके साथ बलात्कार किया।

वीडियो वायरल होने के बाद फल विक्रेता गिरफ्तार

डोंबिवली. डोंबिवली में रविवार को एक 20 वर्षीय फल विक्रेता को एक वीडियो वायरल होने के बाद गिरफ्तार किया गया, जिसमें उसे प्लास्टिक की थैली में पेशाब करते हुए दिखाया गया और फिर बिना साफ किए फल बेचना जारी रखा, एक पुलिस रिपोर्ट में कहा गया। मनपाड़ा पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने कहा कि आरोपी

की पहचान अली खान के रूप में हुई है।

वीडियो निलजे इलाके का है और खान को भारतीय न्याय संहिता की धारा 271 (जीवन के लिए खतरनाक बीमारी के संक्रमण को फैलाने की लापरवाही) 272 (जीवन के लिए खतरनाक बीमारी के संक्रमण को फैलाने की घातक कार्रवाई) और 296 (अश्लीलता) के तहत गिरफ्तार किया गया है, अधिकारी ने बताया। स्थानीय नागरिक अधिकारियों ने कहा कि वे खान के खिलाफ कार्रवाई करने की प्रक्रिया में हैं क्योंकि वीडियो ने नेटिज़ेंस के बीच आक्रोश पैदा कर दिया है, जिसमें कई लोगों ने अस्वच्छ कृत्य की निंदा की है।

सिविल अस्पताल के डायलेसिस सेंटर में 1 हजार मरीजों का उपचार

ठाणे. जिलें में स्थित सरकारी अस्पताल किडनी से पीड़ित मरीजों के लिए आधार बनता दिखाई दे रहा है।अस्पताल में बने डायलेसिस सेंटर में पिछले 6 महीने में 1हजार डायलेसिस मरीजों का उपचार निः शुल्क किया गया।अस्पताल में अभी मरीजों के सुविधा के लिए दो सत्र में उपचार शुरू किया गया है।अशुद्ध खून को बाहर करने का कार्य किडनी के माध्यम से होता है शरीर में किडनी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।मनुष्य के भीतर

यदि किडनी काम करना बंद कर देती है तो डायलेसिस की आवश्यकता पड़ती है।लेकिन डायलेसिस करवाना आम आदमी के बस का नही होता है इसका खर्च वहन करना आम आदमी के पहुच से दूर है।सिविल अस्पताल में ऐसे मरीजों के उपचार के लिए विशेष वार्ड तैयार किया गया है।वहीं डॉ. संजीता मुलिक ने बताया कि रोजाना डायलेसिस मरीज का उपचार चल रहा है।पिछले 6 महीने में 1हजार डायलेसिस मरीजों का उपचार होने की जानकारी जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार ने दिया।डायलिसिस सेंटर में कुल 14 मशीन उपलब्ध है और एक साथ 9 मरीजों का उपचार किया जा सकता है।यदि मरीजों की संख्या बढ़ती है तो बची हुई मशीन का उपयोग किया जा सकता है और आगे यह प्रक्रिया दो से तीन सत्र में करने के लिए तैयारी चल रही है।इस अवसर पर विनोद जोशी भी मौजूद रहे।

इटली में 5 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार

अग्रवाल कॉलेज के डॉ. अमित सिंह ने भी लिया हिस्सा

- अग्रवाल कॉलेज की ओर से किया गया सम्मान

कल्याण. इटली के मिलानो शहर में पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 'रॉ मैटेरियल इन फोटोवालिटिक्स' विषय पर गत दिनों संपन्न हुआ। इस सेमिनार में पूरी दुनिया से बहुत से शोध विशेषज्ञ सम्मिलित हुए थे। इस सेमिनार में अग्रवाल कॉलेज के डॉक्टर अमित सिंह ने सहभाग लिया और अपना प्रपत्र भी प्रस्तुत किया

पांच दिवसीय कार्यशाला में डॉ. अमित सिंह को मिलानो-बिकोका यूनिव्हर्सिटी, मिलान इटली में आमंत्रित किया गया था। इस उपलक्ष्य में के. एम. अग्रवाल कॉलेज के उपप्राचार्य महेंद्र राजपूत और कार्यवेक्षक प्रशांत सुरेंद्र मोरे, सुरेंद्र मोरे, डॉ. किशोर बिरारी, विजय परब, अशोक मुंडावरे, पीतांबर कंसवाल, उदय प्रताप सिंह, राकेश सिंह आदि शिक्षकों ने उनका सम्मान किया. जहां उन्होंने SUNBOO नामक एक स्टार्टअप प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया.

लॉज में बैठकर छाप रहे थे नकली नोट

नवी मुंबई. बिना किसी नौकरी तथा बिना किसी रोजगार के लग्जरी लाइफ जीने वाले एक युगल को फाइनेंसियल इंटेलिजेंस यूनिट द्वारा गिरफ्तार किया गया है , जानकारी में बताया गया यह यगल जोड़ी नवी मुंबई की एक लॉज में में अपना डेरा जमाया था उसी लॉज में यह युगल नकली नोट छापकर लग्जरी लाइफ जी रहे थे। गिरफ्तार किए युगल में पुरुष का नाम विवेक कुमार पिपले तथा अश्विनी विश्वनाथ सरोदे बताया गया है। मिली जानकारी के अनुसार यह दोनों लोग पिछले चार महीने से कृष्णा पैलेस लॉज में रह रहे थे।

मिली जानकारी के अनुसार इन दोनों के बारे में फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट को मिली जिसके बाद लॉज के कमरे में छापा मारा , छापे के दौरान इन दोनों के पास से 13 मोबाईल फोन एक स्कैनर ,प्रिंटर और लैपटॉप बरामद किया गया। अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार किए जाने के बाद इन दोनों ने अपने आप को भाई बहन बताया है। हालांकि इस बारे में अधिकारी जांच कर रहें हैं , जांच में पता चला है कि यह दोनों लोग पिछले एक साल से बेरोजगार थे। अधिकारियों ने बताया कि अश्विनी सरोदे इससे पहले एक बैंक में काम करती थी और विवेक सेकेंड हैंड कारों को खरीदने और बेचने का काम करता था।

CHANGE OF NAME

I Declare My Old Name
ARUN RAJU BALANI
to now My New Name is
ARUN RAJULAL BALANI
So all the public now call me
ARUN RAJULAL BALANI

(Add: Flat no. 104, 1st Floor, Ganesh Apartment, Gandhi Road, Ulhasnagar-421005).

आम सूचना

हम श्री मोहनदास हरुमल सचदेव व श्रीमती रानी मोहनदास सचदेव सभी को सूचित कर रहे हैं कि शॉप, यू नं. 72, शीट नं. 75, मेन बाजार, उल्हासनगर-5. (टैक्स नं. 56डीआय011838600) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती ममता जी. सचदेव के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 28.12.2011 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मोहनदास हरुमल सचदेव व
श्रीमती रानी मोहनदास सचदेव

आम सूचना

हम श्री अशोक लक्ष्मणदास लुल्ला व श्रीमती कविता अशोक लुल्ला सभी को सूचित कर रहे हैं कि पोर्शन शॉप नं. 179, यु.नं. 25 पार्ट, शिट नं. 83, प्लॉट नं. 181, सेक्शन 7-बी, मिलन अपार्टमेंट के सामने, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 12बीआय015257100(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती कविता गोपालदास रोहरा ने श्री हिरालाल जामनदास अल्यास जामुनदास रोहरा से सेल एग्रीमेंट दि. 20.11.2012 को खरीदी है। हमने श्रीमती कविता गोपालदास रोहरा से सेल एग्रीमेंट दि. 14.9.2024, सी.नं. 1835/2024 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अशोक लक्ष्मणदास लुल्ला व
श्रीमती कविता अशोक लुल्ला

उल्हास विकास NEWS
www.ulhasvikas.com
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
/ulhasvikas /ulhasvikas
/ulhasvikas /ulhasvikas

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel उल्हास विकास NEWS

चिरंजीवी का नाम गिनीज बुक में

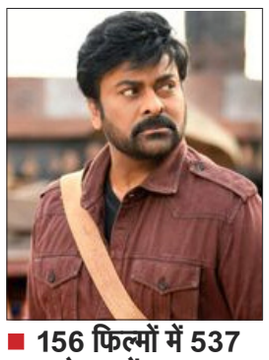

- 156 फिल्मों में 537 गाने, इनमें 24 हजार डांस स्टेप्स
- 45 साल के फिल्मी करियर में बना रिकॉर्ड

मेगास्टार चिरंजीवी का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल हुआ है। यह सम्मान उन्हें 45 साल के करियर में 156 फिल्मों के 537 गानों में 24 हजार डांस मूव्स करने के लिए मिला। एक्टर आमिर खान ने उन्हें इस अवॉर्ड से सम्मानित किया। अवॉर्ड देने के बाद आमिर खान ने चिरंजीवी को गले भी लगाया।

इस मौके पर आमिर खान ने चिरंजीवी की तारीफ में कहा, 'यहां आना मेरे लिए खुशी और सम्मान की बात है। मैं चिरंजीवी गारू के फैंस को देखकर खुश हूं। मुझे अपने बीच शामिल करने के लिए आप सभी को धन्यवाद देता हूं। मैं उनका (चिरंजीवी) बहुत बड़ा फैन हूं।'

आमिर ने की चिरंजीवी के डांस मूव्स की तारीफ

चिरंजीवी के डांस मूव्स की तारीफ करते हुए आमिर खान ने कहा, 'अगर आप उनका कोई भी गाना देखेंगे तो पाएंगे कि उनका दिल डांस में डूब जाता है। वह इसे बहुत एन्जॉय करते हैं। हम कभी उनसे नजरें नहीं हटाते क्योंकि वह एक बहुत अच्छे एक्टर हैं।'

1979 से एक्टिंग में एक्टिव हैं चिरंजीवी

चिरंजीवी ने 1979 में फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म पुनधिरल्लु से की थी। हालांकि बापू के डायरेक्शन में बनी फिल्म माना वूरी पांडवुलु उनकी पहली रिलीज थी। 1982 में रिलीज हुई 'इंटलो रामय्या वीडिलो कृष्णय्या' जैसी हिट फिल्म से उन्होंने लीड रोल करना शुरू कर दिया था। 1983 में रिलीज हुई फिल्म कैदी ने चिरंजीवी को रातों-रात एक बड़ा सुपरस्टार बना दिया। तब से चिरंजीवी को मेगास्टार चिरंजीवी का टैग मिला।

संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा

ULHAS VIKAS Hindi Daily By :- HERO ASHOK BODHA
www.ulhasvikas.com (Editor in Chief)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099